समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 22 September 2026

शेयर बाजार मे उंम्मीद की लहर : जीएसटी सुधार और यूक्रेन-रूस वार्ता से निवेशकों मे सकारात्मक माहौल

Publisher Published on 19 Aug 2025

भारतीय शेयर बाजार ने आज सप्ताह की मजबूत शुरुआत की है। *[illegible]* और *[illegible]-[illegible]* ने निवेशकों के मनोबल को बढ़ाया है। निफ्टी और सेंसेक्स दोनों ने ऊँचाई की ओर रुख किया, जिससे बाजार में नई ऊर्जा देखने को मिली।

जीएसटी सुधारों का असर

भारत सरकार ने जीएसटी व्यवस्था को सरल और पारदर्शी बनाने की दिशा में कदम उठाए हैं। प्रस्तावित सुधारों के तहत 28% कर स्लैब को समाप्त कर केवल 5% और 18% दरें रखने की बात कही गई है। इससे उपभोक्ता वस्तुएं, ऑटोमोबाइल्स और बीमा जैसे क्षेत्रों को सीधा लाभ होगा।

विशेषज्ञों का मानना है कि इन सुधारों से न केवल उद्योगों को राहत मिलेगी, बल्कि उपभोक्ता मांग भी बढ़ेगी। यही वजह है कि सोमवार के कारोबार में निफ्टी और सेंसेक्स में लगभग 1% की तेजी दर्ज हुई थी।

यूक्रेन-रूस वार्ता से अंतर्राष्ट्रीय संकेत

वैश्विक स्तर पर सबसे बड़ा सकारात्मक संकेत यूक्रेन-रूस वार्ता से मिला है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने हाल ही में घोषणा की कि वे रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की के साथ त्रिपक्षीय वार्ता पर काम कर रहे हैं।

इस पहल ने निवेशकों के बीच विश्वास बढ़ाया है कि युद्ध का समाधान निकट है। इससे अंतर्राष्ट्रीय कच्चे तेल के दामों में स्थिरता आई और वैश्विक बाजारों में भी मजबूती देखी गई।

शुरुआती कारोबार का रुख

आज के शुरुआती कारोबार में *GIFT Nifty* 30 अंकों की बढ़त के साथ ट्रेड करता दिखा। निफ्टी 50 ने 24,900 के स्तर को पार किया, जबकि सेंसेक्स 150 अंकों की तेजी के साथ मजबूत हुआ।

रिलायंस इंडस्ट्रीज और भारती एयरटेल जैसे बड़े शेयरों ने इस बढ़त को सहारा दिया। निवेशकों की धारणा पर जीएसटी सुधार और वैश्विक स्थिरता की उम्मीदों का सीधा असर दिखा।

निवेशकों का रुझान

पिछले चार दिनों से बिकवाली करने वाले विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (FPI) भी अब खरीदारी की ओर लौटे हैं। घरेलू संस्थागत निवेशक (DII) लगातार 30वें दिन भी बाजार में सक्रिय रूप से निवेश कर रहे हैं।

इससे यह साफ होता है कि भारतीय शेयर बाजार में दीर्घकालिक भरोसा मजबूत हो रहा है। वहीं, क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों द्वारा भारत की रेटिंग में सुधार की संभावना भी निवेशकों के उत्साह का कारण बनी है।

क्षेत्रवार प्रभाव

- **ऑटो सेक्टर :** जीएसटी सुधार के प्रस्ताव से छोटे कारों और टू-व्हीलर्स पर टैक्स घटने की उम्मीद है, जिससे ऑटो सेक्टर को राहत मिलेगी।
- **बीमा क्षेत्र:** बीमा प्रीमियम पर टैक्स घटने से पॉलिसियों की मांग बढ़ेगी।
- **एफएमसीजी और उपभोक्ता वस्तुएँ:** टैक्स में कमी से उपभोक्ता खर्च बढ़ने की संभावना है।
- **निर्माण और सीमेटं :** कर संरचना आसान होने से रियल एस्टेट और इंफ्रास्ट्रक्चर को गति मिलेगी।

विशेषज्ञों की राय

Citi Research की एक रिपोर्ट के अनुसार, जीएसटी सुधार और आयकर कटौती का संयुक्त प्रभाव भारत की GDP को 0.7–0.8% तक बढ़ा सकता है।
वहीं, मार्केट विश्लेषकों का अनुमान है कि अगर ये सुधार लागू होते हैं तो *⍰⍰⍰⍰⍰⍰ 50* अगले साल सितम्बर तक 28,000 अंक तक पहुँच सकता है।

बॉन्ड और विदेशी मुद्रा बाजार का हाल

हालांकि शेयर बाजार में तेजी रही, लेकिन बॉन्ड मार्केट में सतर्कता देखी गई। सरकार की उधारी बढ़ने की संभावना के चलते बॉन्ड यील्ड में हल्की गिरावट दर्ज हुई। विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया स्थिर रहा और डॉलर के मुकाबले मजबूत स्तर पर बना रहा।

निष्कर्ष

भारत का शेयर बाजार फिलहाल सकारात्मक संकेतों से सराबोर है। जीएसटी सुधारों की उम्मीद और यूक्रेन-रूस वार्ता से शांति की संभावना ने निवेशकों में नया भरोसा जगाया है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि ये सुधार जल्द लागू होते हैं और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शांति कायम होती है, तो भारतीय बाजार आने वाले महीनों में नई ऊँचाइयाँ छू सकता है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.